अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त (International Trade Theories)

खंड - 1 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का महत्व
अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त - रिकार्डो का सिद्धान्त
रिकार्डो के सिद्धान्त मे संशोधन
मिल के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रतिपूरक मांग का सिद्धान्त
टॉजिग का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त
हेबरलर का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त(अवसर लागतें)
हैक्शचर-ओहलिन का सिद्धान्त तथा साधन कीमत समानीकरण प्रमेय

खंड – 2 : मॉडलों का प्रमाणीकरण एवं संतुलन

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मॉडलों का प्रमाणीकरण
अंतराष्ट्रीय व्यापार मॉडलों का प्रमाणीकरण व संतापकारी वृद्धि
व्यापार - स्वरूप के निर्धारक : नवीन सिद्धान्त
अंतर व अंतरा व्यापार सिद्धान्त
उत्पादन, उपभोग तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में सामान्य संतुलन
व्यापार तटस्थता-रेखायें तथा ऑफर-रेखायें
आर्थिक विस्तार और व्यापार

खंड – 3 : निर्यात तथा व्यापार शर्तें

व्यापार की शर्तें
प्राथमिक उत्पादों का निर्यात तथा व्यापार शर्तें
व्यापार से प्राप्त लाभ का सिद्धान्त
तटकर: तटकर के प्रभाव, तटकर की लागतें, लाभ एवं प्रभावी संरक्षण दर
अनुकूलतम प्रशुल्क
आयात अभ्यंश
व्यापार में हस्तक्षेप की आवश्यकता - शिशु उद्योग, बाजार विकृतियां और बाह्राय मितव्ययिताएँ

खंड – 4 : भुगतान सन्तुलन एवं विनिमय दरें

विकासशील देशों की व्यापारिक नीति
चुंगीसंघ का सिद्धान्त एवं आर्थिक एकीकरण
भुगतान सन्तुलन, व्यापार संतुलन व भुगतान संतुलन खात
भुगतान सन्तुलन में असाम्यता
विदेशी विनियम दर निर्धारण के सिद्धान्त
स्थिर एवं लचीली विनिमय दरें
अवमूल्यन लोच विधि, अवशोषण विधि एवं मौद्रिक नीतियों का समन्वय

खंड – 5 : विदेशी व्यापार

विदेशी व्यापार गुणक व इसके प्रभाव
विदेशी सहायता एवं ऋण सेवा भार
अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
विश्व बैंक तथा सम्बद्ध संस्थाएं
विश्व व्यापार संगठन व इसका विकासशील देशों पर प्रभाव
यूरोपीय मुद्रा बाजार
अल्पकालीन व दीर्घकालीन पूँजी अन्तरण
भारत का विदेशी व्यापार
विश्व के प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों के साथ भारत का विदेशी व्यापार